नामांक Roll No.

No. of Questions — 13

P—01—Hindi

No. of Printed Pages — 7

प्रवेशिका परीक्षा, 2015

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2015

हिन्दी

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

जिन्दगी के असली मजे उनके लिए नहीं है, जो फूलों की छाँह के नीचे खेलते और सोते हैं, बल्कि फूलों की छाँह के नीचे अगर जीवन का कोई स्वाद छिपा है, तो वह भी उन्हीं के लिए है, जो दूर रेगिस्तान से आ रहे हैं, जिनका कण्ठ सूखा हुआ, ओंठ फटे हुए और सारा बदन पसीने से तर है । पानी में जो अमृत वाला तत्त्व है, उसे वह जानता है जो धूप में सूख चुका है, वह नहीं जो रेगिस्तान में कभी पड़ा ही नहीं है ।

सुख देने वाली चीजें पहले भी थीं और अब भी हैं, फर्क यह है कि जो सुखों का मूल्य पहले चुकाते हैं, और उनके मज़े बाद को लेते हैं, उन्हें स्वाद अधिक मिलता है । जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है ।

बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं । अकबर ने 13 साल की उम्र में अपने बाप के दुश्मन को परास्त कर दिया था, जिसका एक मात्र कारण यह था कि अकबर का जन्म रेगिस्तान में हुआ था और वह भी उस समय जब उसके बाप के पास एक कस्तूरी को छोड़कर और कोई दौलत नहीं थी ।

महाभारत में देश के अधिकांश वीर कौरवों के पक्ष में थे । मगर फिर भी जीत पाण्डवों की हुई, क्योंकि उन्होंने लाक्षागृह की मुसीबत झेली थी, क्योंकि उन्होंने वनवास की जोखिम को पार किया था ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए । 2

(ख) जिन्दगी के असली मज़े किन लोगों के लिए हैं ? 2

(ग) 'जिन्हें आराम आसानी से मिल जाता है, उनके लिए आराम ही मौत है ।' इस पंक्ति का आशय लिखिए । 2

(घ) ''बड़ी चीजें बड़े संकटों में विकास पाती हैं ।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए । 2

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

पंचवटी की छाया में है, सुन्दर पर्ण-कुटीर बना ।
उसके सम्मुख स्वच्छ शिला पर, धीर, वीर, निर्भीक मना ॥
जाग रहा वह कौन धनुर्धर, जबकि भुवन भर सोता है ?
भोगी कुसुमायुध योगी-सा बना दृष्टिगत होता है ॥
किस व्रत में है व्रती वीर यह, निद्रा का यों त्याग किए ।
राजभोग के योग्य विपिन में, बैठा आज विराग लिए ॥
बना हुआ है प्रहरी जिसका, उस कुटीर में क्या धन है ।
जिसकी रक्षा में रत इसका तन है, मन है, जीवन है ॥
मर्त्यलोक मालिन्य मेटने, स्वामि संग जो आई है ।
तीन लोक की लक्ष्मी ने यह, कुटी आज अपनाई है ॥
वीर वंश की लाज यही है, फिर क्यों वीर न हो प्रहरी ।
विजन देश है निशा शेष है, निशाचरी माया ठहरी ॥

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1

(ख) लक्ष्मण को किसकी उपमा दी गई है ? वह प्रहरी बन कर किस प्रकार रक्षा कर रहा है ? 2

(ग) 'तीन लोक की लक्ष्मी' किसे कहा है ? वह वन में क्यों आई है ? 2

(घ) वनवास में क्या-क्या संकट हो सकते हैं ? 2

अथवा

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश
पल पल परिवर्तित प्रकृति-वेश !
मेखला कार पर्वत अपार
अपने सहस्र-दृग-सुमन फार
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार
जिसके चरणों में पड़ा ताल
दर्पण-सा फैला है विशाल !
गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों से सुन्दर
झरते हैं झाग भरे निर्झर !

(क) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । 1
(ख) पर्वत का आकार कैसा है ? वह अपने सहस्र नेत्रों से क्या देख रहा ? 2
(ग) पर्वत के चरणों में क्या पड़ा है ? किसके समान लग रहा है ? 2
(घ) रेखांकित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । 2

खण्ड - ख

3. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) इण्टरनेट — वरदान या अभिशाप
  (i) प्रस्तावना
  (ii) इण्टरनेट से आशय
  (iii) इण्टरनेट से लाभ
  (iv) सदुपयोग की समझ
  (v) उपसंहार ।

(ख) यदि मैं प्रधानमंत्री होता
  (i) प्रस्तावना
  (ii) राष्ट्र के प्रति कर्त्तव्य
  (iii) युवा पीढ़ी के प्रति कर्त्तव्य
  (iv) बुजुर्गों के प्रति कर्त्तव्य
  (v) उपसंहार ।

(ग) ऋतुराज बसन्त
  (i) प्रस्तावना
  (ii) भारत में ऋतुएँ
  (iii) ऋतुराज कहलाने का कारण
  (iv) प्राकृतिक वातावरण
  (v) उपसंहार ।

(घ) राजस्थान के प्रमुख लोक देवता
  (i) लोक देवता का आशय
  (ii) प्रमुख लोक देवताओं का संक्षिप्त परिचय
  (iii) लोक देवताओं के जन हितकारी कार्य
  (iv) लोक देवता और लोक आस्था
  (v) उपसंहार ।

4. स्वयं को बापू नगर निवासी हिमांशु मानकर शैक्षिक भ्रमण का वर्णन करते हुए अपने मित्र प्रियांशु को एक पत्र लिखिए । 5

अथवा

स्वयं को शास्त्री नगर निवासी सुधांशु मानकर अपने छोटे भाई को धूम्रपान एवं नशे की लत से दूर रहने की समझाइश देते हुए पत्र लिखिए । 5

5. (क) काल के अनुसार क्रिया कितने प्रकार की होती है ? सोदाहरण समझाइए । 2

(ख) 'भारत के वीर पुत्र प्रताप ने शत्रु के सब सैनिकों का वध कर दिया ।' रेखांकित पदों के पद-परिचय के दो-दो बिन्दु लिखिए । 2

(ग) 'गाँधीजी ने कहा कि सदा सत्य बोलो ।' यह वाक्य किस प्रकार का है ? परिभाषा भी लिखिए । 2

(घ) (i) 'अपनी प्रशंसा स्वयं करना' — इस अर्थ से संबंधित मुहावरा लिखिए । 1

(ii) ''पराधीन सपनेहुँ सुख नहीं'' — लोकोक्ति का इस प्रकार से वाक्य में प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए । 1

(ङ) 'हो गई है पीर पर्वत-सी पिघलनी चाहिए ।' इस पंक्ति में प्रमुख अलंकार की पहचान कर उसकी परिभाषा लिखिए । 2

खण्ड - ग

6. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

बादल, गरजो ! —
घेर घेर घोर गगन, धारा धर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
    फिर भर दो —
    बादल, गरजो !
विकल विकल, उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाघ के सकल जन,
आए अज्ञात दिशा से अनन्त के घन !
तप्त धरा, जल में फिर
    शीतल कर दो —
    बादल, गरजो !

(क) कवि ने बादल को 'नवजीवन वाले क्यों कहा है ? 2

(ख) 'तप्त धरा, जल से फिर शीतल कर दो' — इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । 2

अथवा

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज सुन्दर कमजोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन ।

(क) संगतकार गायक को कैसे सहयोग करता है ? 2

(ख) 'वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से' — इस पंक्ति का भावार्थ लिखिए । 2

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (उत्तर सीमा प्रत्येक प्रश्न 40 शब्द)

(क) 'आत्मकथ्य' कविता में कवि प्रसाद ने महान कवि की विनम्रता किस प्रकार व्यक्त की है ? 2

(ख) महाकवि देव ने बसंत का बालक के रूप में जो वर्णन किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए । 2

(ग) कवि को किसकी 'दंतुरित मुस्कान' छविमान लगती है और क्यों ? 2

(घ) 'कन्यादान' कविता में बेटी को 'अंतिम पूँजी' क्यों कहा गया है ? 2

8. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए
समुझि बात मधुकर के, समाचार सब पाए ।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए ।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग सँदेस पठाए ।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए ।
अब अपने मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए ।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए ।
<u>राज धर्म तौ यहै सूर, जो प्रजा न जाहिं सताए ॥</u>

(क) गोपियों ने कृष्ण को 'राजनीति पढ़ि आए' क्यों कहा ? 1

(ख) उपर्युक्त पद में गोपियों की कौन-सी विशेषता प्रकट हो रही है ? 1

(ग) 'बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी' पंक्ति में क्या व्यंग्य किया है ? 1

(घ) गोपियों के अनुसार कृष्ण ने क्या अनीति की ? 1

(ङ) रेखांकित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए । 1

अथवा

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा । को नहिं जान बिदित संसारा ॥
माता पितहि उरिन भये नीकें । गुर रिनु रहा सोचु बड़ जी कें ॥
सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा । दिन चलि गए, ब्याज बड़ बाढ़ा ।
अब आनिअ व्यवहरिआ बोली । तुरत देउँ मैं थैली खोली ॥
सुनि कटु बचन कुठार सुधारा ।। हाय-हाय सब सभा पुकारा ॥
भृगुबर परसु देखाबहु मोही । बिप्र बिचारी बचौं नृप द्रोही ॥
मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े । द्विज, देवता घरहिं के बाढ़े ॥
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे । रघुपति सयनहि लखनु नेवारे ॥

(क) यह संवाद किन-किन में हो रहा है ? 1

(ख) लक्ष्मण ने क्या व्यंग्य किया ? 1

(ग) लक्ष्मण के संवाद सुनकर परशुराम ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की ? 1

(घ) उपर्युक्त पंक्तियों में परशुराम के स्वभाव को कौन सी विशेषता दृष्टिगोचर हुई ? 1

(ङ) रेखांकित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए । 1

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है । उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था । मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते हैं, जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे, जिसके बड़े फ़ादर बुल्के थे । हमारे हँसी-मजाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते । मुझे अपना बच्चा और फादर का उसके मुख में पहली बार अन्न डालना याद आता है और नीली आँखों की चमक में तैरता वात्सल्य भी — जैसे किसी ऊँचाई पर देवदारू की छाया में खड़े हों ।

(क) "हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे ।" — लेखक ने ऐसा किस कारण कहा ? 2

(ख) लेखक ने फादर को याद करना 'शांत संगीत' सुनने जैसा क्यों कहा ? 2

अथवा

काशी आनन्द कानन है । सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है, जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा ।

'भारतरत्न' से लेकर इस देश के ढेरों विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियों से अलंकृत व 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' एवं 'पद्म-विभूषण' जैसे सम्मानों से नहीं, बल्कि अपनी अजेय संगीत यात्रा के लिए बिस्मिल्ला खाँ साहब भविष्य में हमेशा संगीत के नायक बने रहेंगे । नब्बे वर्ष की भरी-पूरी आयु में 21 अगस्त 2006 को संगीत रसिकों की हार्दिक सभा से विदा हुए खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिन्दा रखा ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि काशी को ''आनन्द कानन'' क्यों कहा गया है ? 2

(ख) बिस्मिल्ला खाँ साहब को कौन-कौन-सी उपाधियाँ प्रदान की गई थीं ? 2

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (प्रत्येक प्रश्न की उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) 'नेताजी का चश्मा' कहानी के अनुसार देश के निर्माण में बड़े ही नहीं बच्चे भी शामिल हैं । आप देश के नव निर्माण में किस प्रकार योगदान देंगे ? 2

(ख) 'संस्कृति' पाठ में सर्वस्व त्याग के कौन-से उदाहरण दिए गए हैं ? 2

(ग) 'बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया'' — बाल-गोबिन भगत के जीवन में उस दिन कौन-सी घटना घट गई, जिससे उनकी संगीत साधना का चरण उत्कर्ष देखा गया ? 2

(घ) 'यशपाल ने पतनशील सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया है ।' — इस कथन को 'लखनवी अन्दाज' कहानी के आधार पर उदाहरण सहित समझाइए । 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने स्त्री-शिक्षा का महत्त्व बताया है । वर्तमान में आप स्त्री शिक्षा में कौन-कौन सी बाधाएँ महसूस करते हैं ? अनुभव के आधार पर लिखिए ।
(उत्तर सीमा 40 शब्द) 2

(ख) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर मन्नू भंडारी के व्यक्तित्व की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए ।
(उत्तर सीमा 60 शब्द) 3

खण्ड - घ

12. 'साना-साना हाथ जोड़ि' ... पाठ में पीड़ा और सौंदर्य का अद्‌भुत मेल है ।' उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।
(उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

अथवा

'अपने सारे अन्तर्विरोध के साथ पलता दुलारी और टुन्नू का व्यक्तिगत प्रेम, अंततः देश प्रेम में परिणत हो जाता है ।'' — कहानी में घटित घटना के आधार पर उक्त कथन को समझाइए ।
(उत्तर सीमा 80 शब्द) 4

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लिखिए : (प्रत्येक की उत्तर सीमा 40 शब्द)

(क) ''कमलेश्वर ने 'जार्ज पंचम की नाक' कहानी में सारा व्यंग्य 'नाक' शब्द पर केन्द्रित किया है ।'' — उक्त कथन को पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । 2

(ख) दुलारी के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषताएँ बताइए । 2

(ग) 'माता का अँचल' रचना में बाल मनोभावों की अभिव्यक्ति करते-करते लेखक ने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का चित्रण भी किया है ।'' — उदाहरण सहित समझाइए । 2

(घ) ''एक दिन मैंने हिरोशिमा पर कविता लिखी ।'' — लेखक की अनुभूति अपने शब्दों में लिखिए । 2